भारत सरकार
रसायन और उर्वरक मंत्रालय
रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग

लोकसभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1895
02.08.2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

आंध्र प्रदेश में पीसीपीआईआर पर पूर्व-व्यवहार्यता परीक्षण

1895. श्री पी. वी. मिधुन रेड्डी:

क्या रसायन एवं उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि 'एंकर टेनेंट' के लिए, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) और गेल ने आंध्र प्रदेश में पीसीपीआईआर पर पूर्व-व्यवहार्यता अध्ययन किया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या यह भी सच है कि इसे अभी तक अंतिम रूप नहीं दिया गया है;

(घ) यदि हां, तो इसके अंतिम रूप देने की प्रस्तावित तिथि सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ड.) उक्त परियोजना की स्थापना में देरी के क्या कारण हैं;?

उत्तर

रसायन और उर्वरक राज्य मंत्री
(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) से (ड.): जी, हां। गेल- हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) कंसोर्टियम द्वारा एक अध्ययन शुरू किया गया था और तदनुसार वर्ष 2017 में इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड (ईआईएल) द्वारा पेट्रोरसायन परिसर की स्थापना के लिए एक विस्तृत व्यवहार्यता रिपोर्ट तैयार की गई थी। जुलाई, 2021 में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने इस परियोजना पर पुनर्विचार करने के लिए स्वयं अपने मंत्रालय, आंध्र प्रदेश सरकार, गेल, एचपीसीएल और इआईएल से प्रतिनिधियों को शामिल करते हुए एक संयुक्त कार्यकारी समूह का गठन किया। एक अध्ययन से यह निष्कर्ष सामने आया है कि इस परियोजना को व्यवहार्य बनाने के लिए व्यवहार्यता अंतर निधि की आवश्यकता होगी।

*****